



6. इस कहानी का कोई और शीर्षक देना हो तो आप क्या देना चाहेंगे और क्यों?

**उत्तर:-** इस कहानी के लिए हम अन्य शीर्षक 'सच्चा सुख' दे सकते हैं क्योंकि यहाँ पर जीवन में सच्चा सुख क्या होता है वह एक छोटी सी चिड़िया के माध्यम से बताया गया है।

7. इस कहानी में आपने देखा कि वह चिड़िया अपने घर से दूर आकर भी फिर अपने घोंसले तक वापस पहुँच जाती है। मधुमक्खियों, चींटियों, ग्रह-नक्षत्रों तथा प्रकृति की अन्य विभिन्न चीज़ों में हमें एक अनुशासनबद्धता देखने को मिलती है। इस तरह के स्वाभाविक अनुशासन का रूप आपको कहाँ-कहाँ देखने को मिलता है? उदाहरण देकर बताइए।

**उत्तर:-** ऋतु चक्र, सूर्य और चाँद का उदित और अस्त होना, तारों का रात में चमकना, पृथ्वी का सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाना, पशुओं का भी दिनभर घूम-फिर शाम के समय घर लौटना आदि सभी भी अनुशासन का पालन करते हैं।

8. सोचकर लिखिए कि यदि सारी सुविधाएँ देकर एक कमरे में आपको सारे दिन बंद रहने को कहा जाए तो क्या आप स्वीकार करेंगे? आपको अधिक प्रिय क्या होगा - 'स्वाधीनता' या 'प्रलोभनोंवाली पराधीनता'?

ऐसा क्यों कहा जाता है कि पराधीन व्यक्ति को सपने में भी सुख नहीं मिल पाता।

नीचे दिए गए कारणों को पढ़ें और विचार करें -

क) क्योंकि किसी को पराधीन बनाने की इच्छा रखनेवाला व्यक्ति स्वयं दुखी होता है, वह किसी को सुखी नहीं कर सकता।

ख) क्योंकि पराधीन व्यक्ति सुख के सपने देखना ही नहीं चाहता।

ग) क्योंकि पराधीन व्यक्ति को सुख के सपने देखने का भी अवसर नहीं मिलता।

**उत्तर:-** सारी सुख-सुविधा मिलने पर भी हम

'स्वाधीनता' ही स्वीकार करेंगे न कि 'प्रलोभनों वाली पराधीनता', क्योंकि सुविधाएँ कितनी भी क्यों न मिल जाएँ रहना तो हमें किसी के आधीन ही है।

पराधीन व्यक्ति दूसरों के आधीन रहने के कारण सुख से सदा वंचित ही रहता है।

• भाषा की बात

9. पाठ में पर शब्द के तीन प्रकार के प्रयोग हुए हैं -

क) गुलाब की डाली पर एक चिड़िया आन बैठी।

ख) कभी पर हिलाती थी।

ग) पर बच्ची काँप-काँपकर माँ की छाती से और चिपक गई।

तीनों 'पर' के प्रयोग तीन उद्देश्यों से हुए हैं। इन वाक्यों का आधार लेकर आप भी 'पर' का प्रयोग कर ऐसे तीन वाक्य बनाइए जिनमें अलग-अलग उद्देश्यों के लिए 'पर' के प्रयोग हुए हों।

**उत्तर:-** 1. जामुन के पेड़ पर तोता बैठा है।

2. उस मोर के पर कितने सुंदर हैं।

3. राधा का रीना पर बहुत अहसान है।

10. पाठ में तैने, छनभर, खुश करियो-तीन वाक्यांश ऐसे हैं जो खड़ीबोली हिन्दी के वर्तमान रूप में तूने, क्षणभर, खुश करना लिखे-बोले जाते हैं लेकिन हिन्दी के निकट की बोलियों में कहीं-कहीं इनके प्रयोग होते हैं। इस तरह के कुछ अन्य शब्दों की खोज कीजिए।

**उत्तर:-** अइयो - आओ

करियो - करना

दियो - देना

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*